विश्व में

राम

संपादक

डॉ नीता त्रिवेदी

विश्व में राम

Copyright © डॉ. नीता त्रिवेदी 2021

Published by QUIGNOG
A PIRATES Imprint
www.quignog.com

Typeset in Karma 9.5/15

1/21

[illegible] proud to offer this book to our readers; however, the story, the experiences, and the words belong to the respective authors. The views expressed in the book do not necessarily represent or reflect the views of this publishing house

All rights reserved

For worldwide sale

Pirates is committed to a sustainable future for our business, our readers and our planet. This book is made from Forest Stewardship Council® certified paper.

अनुक्रमणिका

संपादकीय

Message - Dr. Anita Bose

Chief Convenor, Global Encyclopedia of the Ramayana

1. श्री राम: आदर्श का परम विग्रह — 1
प्रो. बी. एल. चौधरी

2. सत्यनिष्ठा एवं श्रीराम — 6
प्रो. नीरज शर्मा

3. वैश्विक परिदृश्य के रामकाव्य परंपरा का प्रवासी महाकवि आदेशकृत परम महाकाव्य 'रघुवंश शिरोमणि श्रीराम' — 15
प्रो. नरेश मिश्र

4. कन्नड़ रामायण — 25
-प्रो. बी. वै. ललिताम्बा

5. तमिल के प्राचीन राम साहित्य और कंब रामायण — 32
-प्रो. एम. ज्ञानम
-प्रो. ए. मरुद दुरई

6. आंचलिकता और समाज - विज्ञान के निकष पर रामाख्यान — 42
डॉ. विनय कुमार पाठक

7. रूस में रामलीला का इतिहास और परंपरा — 48
डॉ. रामेश्वर सिंह

8. पूर्वोत्तर भारत में वैष्णव मत का उद्भव एवं विकास — 52
प्रो. दिनेश कुमार चौबे

9. नेपाल की राम-कथा परम्परा और भानुभक्त कृत रामायण — 62
डॉ. श्वेता दीप्ति

10. गुजराती साहित्य में रम[illegible]
श्री रामकथा सुधा का स्थान 71
डॉ. जसवंतभाई डी. पंड्या

11. वैश्विक परिदृश्य में रामकथा : विविध रंग 79
सुनीता पाठक

12. वर्तमान युग में रामकथा की प्रासंगिकता 86
डॉ. श्वेता उपाध्याय

13. भुशुण्डि रामायण का वैशिष्ट्य 97
डॉ. राजेश श्रीवास्तव

14. तुलसी काव्य में समन्वय 107
डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह

15. आधुनिक कविता और रामायण के विविध सदंर्भ 121
डॉ. नीतू परिहार

16. रामायण: एक नहीं अनेक (रामानन्द सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में) 132
महेश शर्मा (शास्त्री कोसलेन्द्रदास)

17. राम साहित्य में राम की वियोग-अभिव्यंजना 140
डॉ. प्रीति भट्ट

18. आधुनिक काव्य में रामकथा का बदलता स्वरूप 147
डॉ. कुलवंत सिंह

19. रामकथा और राधेश्याम रामायण 159
डॉ. नवीन नंदवाना

20. पंजाब में रचित राम काव्य की अज्ञात एवं अल्पज्ञात पांडुलिपियां
(भाई गुरदास पुस्तकालय का संदर्भ) 179
डॉ. सुनीता शर्मा

21. रामकथा के कितने नाम 190
डॉ. आशीष सिसोदिया

[illegible] 194

[illegible]

[illegible] में राम 199

[illegible]

[illegible]

(राम कथा के दो नाट्य रूपों पर एक तुलनात्मक दृष्टि) 204

डॉ. [illegible] माहेश्वरी

25. स्त्री स्वाभिमान की प्रथम दीपशिखा - वैदेही 213

डॉ. नवनीतप्रिया शर्मा

26. तुलसी का मानस और वैश्विक परिदृश्य 222

डॉ. संजू श्रीमाली

27. आधुनिक संदर्भों में राम कथा की प्रासंगिकता 232

डॉ. मधुबाला सांखला

28. आधुनिक युग में रामकथा का बदलता स्वरूप
"सीता-मिथिला की योद्धा" उपन्यास के विशेष सन्दर्भ में 238

डॉ. मनीषा शर्मा

29. उत्तररामचरितम् में राम का द्विविध चरित्र 245

डॉ. शान्ति लाल सालवी

30. राजस्थानी साहित्य परम्परा एवं श्रीराम 252

डॉ.सुरेश सालवी

31. सीता: एक निर्वचनात्मक विश्लेषण 264

डॉ. सुमित्रा शर्मा

32. मानव जीवन के आदर्श: राम 278

डॉ. ज्योति गुप्ता

33. राम का आदर्श और उसका विस्तार 287

डॉ. स्मिता शर्मा

34. हिन्दी में रामकाव्य का विकास और तुलसी के काव्य में लोक मंगल — 293
डॉ. कृष्ण बिहारी राय

35. मुद्राओं पर अंकित राम : एक ऐतिहासिक अध्ययन — 299
डॉ. शिल्पा मेहता

36. वैश्विक परिदृश्य में राम साहित्य — 304
डॉ. चन्द्ररेखा शर्मा

37. मध्यकालीन भारतीय चित्र-शैलियों में 'रामायण' चित्रण — 311
डॉ. शंकर शर्मा

38. राम का समुद्र-शासन कविता में राम — 327
अनुपम

39. राम कथानक चित्रित फड़: रामदला — 332
डॉ. वन्दना जोशी

40. वर्तमान परिदृश्य और 'राम' की सर्वव्यापकता — 337
डॉ. ममता पानेरी

41. Angkor Wat monument Ramayana epics 1112 to 1152 C.E, Cambodia — 342
Mr. Soleil Rath

42. राम कथा का वैश्विक आधार — 353
डॉ. अशोक बैरागी 'एबी'

43. राम-चर्चा: कर्तव्य के प्रतिरूप राम — 363
डॉ. हुसैनी बोहरा

44. भवभूति के राम: अवतार रूप में मनुष्य — 372
डॉ. पंकज मरमट

45. अध्यात्म चिकित्सा में रामनाम की भूमिका: गांधी साहित्य एवं दर्शन के परिप्रेक्ष्य में विशेष अध्ययन — 382
आरसी प्रसाद झा

[illegible] [illegible] 396
[illegible]

[illegible] [illegible] 404
[illegible]

[illegible] राम कथा साहित्य की आधुनिक युग में प्रासंगिकता 413
सुधीर कुमार विश्वकर्मा

[illegible] निराला रचित राम की शक्ति-पूजा का उद्देश्य एवं संदेश 422
डॉ. दिवाकर गरवा

50. जीवन मूल्य, काव्य-कथाएँ और राम 429
मनोज कुमार राघव

51. वर्तमान चुनौतियों के संदर्भ में 'रामचरितमानस' 435
डॉ. ज्योत्सना स्वर्णकार

52. तुलसी के राम: एक आदर्श चरित्र की परिकल्पना 442
डॉ. सिम्मी सिंह

53. रामचरितमानस में व्याप्त वैश्विक मानव-
मूल्य और आधुनिक परिवेश 448
डॉ. आभा सिंह

54. रामकथा की वर्तमान युग में प्रासंगिकता 454
श्रीमती वर्षा सिखवाल

55. तुलसी के राम, राम के तुलसी 458
डॉ. दीपिका सिंह

56. राम चरित मानस में पारिवारिक आदर्श 466
सुभाष चन्द्र नन्दवाना

57. राम साहित्य में समन्वय की भावना 475
अवनीश शर्मा

तुलसी की राम विषयक अवधारणा 481
[illegible]

तुलसी के रामकाव्य में लोकजीवन और समन्वय साधना 485
[illegible] किशोर

वैदिक साहित्य में रामकथा 492
सुधा [illegible]
प्रो. [illegible] एवं [illegible]

राम कथा की वर्तमान युग में प्रासंगिकता 510
[illegible] धर्म के प्रतीक राम !!
[illegible] शर्मा

रामकथा वैश्विक परिदृश्य - मॉरीशस देश के संदर्भ में 525
[illegible] कुमार प्रवीण

राम के समकालीन हाशिए के समाज की स्थिति :
विशेष संदर्भ वाल्मिकीय रामायण 529
[illegible] कुमार यादव

तुलसीदास की राम विषयक अवधारणा 536
[illegible]

तुलसी के राम - आदर्श राजा 546
[illegible] प्रसाद नायक

राम [illegible] का स्वरूप 550
[illegible]

"हरि अनंत, हरि कथा अनंता।
कहहिं सुनहिं, बहु विधि सब संता।।"

जगत्पावनी श्रीराम कथा व्यापक लोकमंगलकारी, सारगर्भित एवं उदात्त आदर्शों से समन्वित है। यह कथा शताब्दियों से विभिन्न दार्शनिकों, चिंतकों तथा विद्वानों द्वारा प्रस्तुत की जाती रही है। यह काल से परे एवं सदा ही प्रासंगिक रहने वाली कथा जनमानस को अभिसिंचित करती रही है तथा आगे भी करती रहेगी। शाश्वत मूल्यबोध, युगबोध और जीवन मूल्यों को संजोये रामकथा अथवा राम साहित्य प्रेरणा की, मर्यादा की अजस्र प्रवाहिनी सदृश है जिसमें अवगाहन करने मात्र से चिंतन में विस्तृति आती है।

'विश्व में राम' देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त राम साहित्य विषयक शोध-आलेखों का संकलित रूप है। विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित रामकथा, रामाश्रित काव्य एवं नाटक, उपन्यास, चित्र आदि बहुविध विषयवस्तु को समेटे यह पुस्तक इस चुनौतीपूर्ण समय में हमें बेहतर जीवन की दिशा दिखा पाएगी, ऐसी उम्मीद करते हैं। यह पुस्तक हिंदी विभाग मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का अमृत-तत्व है, जो सभी सुधिजनों के लिए प्रस्तुत है।

QUIGNOG

LITERATURE ₹499
ISBN 978-81-952913-4-2
9 788195 291342 >
www.quignog.com
A PIRATES Imprint.

Artwork by
Kailash Raj
Artist, Jaipur